पावर फाइनेंस कॉर्पोरेशन लिमिटेड
ति2/छ1 - वि.व. 20-21
कॉन्फ्रेंस कॉल
12 नवंबर 2020

प्रबंधन: पावर फाइनेंस कॉर्पोरेशन की टीम:-

- **श्री आर.एस.ढिल्लों - अध्यक्ष और प्रबंध निदेशक**
- **श्री पी.के.सिंह - निदेशक (वाणिज्यिक एवं अतिरिक्त प्रभार परियोजना)**
- **श्रीमती प्रमिन्द्र चोपड़ा - निदेशक (वित्त)**

संचालक: श्री प्रीतेश बंब - प्रभुदास लीलाधर प्राइवेट लिमिटेड

संचालक - शुभ दिन, देवियो और सज्जनो, और प्रभुदास लीलाधर द्वारा आयोजित पावर फाइनेंस कॉर्पोरेशन लिमिटेड के ति2 वि.व. '21 अर्निंग्स कॉन्फ्रेंस कॉल में आपका हार्दिक स्वागत है। (संचालक निर्देश) कृपया ध्यान दें कि यह कॉन्फ्रेंस रिकॉर्ड किया जा रहा है। अब मैं कॉन्फ्रेंस प्रभुदास लीलाधर के श्री प्रीतेश बंब को सौंपता हूं। धन्यवाद, और आप शुरू करें,

प्रीतेश बंब, प्रभुदास लीलाधर प्राइवेट लिमिटेड

धन्यवाद, अली। नमस्कार, आप सभी को शुभ दोपहर । हम पावर फाइनेंस कॉर्पोरेशन के प्रबंधन का उनके ति2 वि.व. '21 परिणाम पश्चात कॉन्फ्रेंस कॉल में स्वागत करना चाहते हैं । हमारे साथ अध्यक्ष और प्रबंध निदेशक, श्री आर.एस. ढिल्लों; अन्य निदेशकगण और प्रबंधन सदस्य उपस्थित हैं। मैं प्रारंभिक टिप्पणी के लिए प्रबंधन को कॉल सौंपना चाहूंगा, जिसके बाद प्रश्नोत्तर होगा। धन्यवाद। और महोदय अब आप शुरू करें ।

रविन्द्र सिंह ढिल्लों, पावर फाइनेंस कॉर्पोरेशन लिमिटेड - अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक

आपका बहुत बहुत धन्यवाद। आप सभी को गुड आफ्टरनून । मैं इस कॉन्फ्रेंस कॉल में आप सभी का स्वागत करता हूं। मुझे आशा है कि आप सभी इस कोविड़-19 स्थिति के दौरान सुरक्षित और स्वस्थ होंगे। आज, हमने सितंबर 2020 को समाप्त होने वाली दूसरी तिमाही और छमाही के लिए परिणाम घोषित किए हैं। हमने इस कॉल की व्यवस्था आपके साथ इस अवधि के लिए पीएफसी के कार्य-निष्पादन को साझा करने के लिए की है। तो मैं पीएफसी के स्टैंडअलोन वित्तीय कार्य-निष्पादन पर एक अपडेट देकर शुरू करता हूं। मुझे यह बताते हुए खुशी हो रही है कि हम पिछले वर्ष छ1 वित्तीय वर्ष '20 की तुलना में 30 सितंबर 2020 तक 14% की ऋण परिसंपत्ति वृद्धि हासिल करने में सक्षम हुए । यह हमारे द्वारा पहले प्रदान किए गए वर्ष के लिए मार्गदर्शन के अनुरूप है। इस संबंध में, मैं यह उल्लेख करना चाहूंगा कि चल रही कोविड़ स्थिति के कारण, हमारे परियोजना-आधारित संवितरण प्रभावित हुए हैं। हालाँकि, भारत सरकार द्वारा डिस्कॉम के लिए लिक्विडिटी पैकेज शुरू करने के कारण, जिसके तहत पीएफ़सी और आरईसी कवर्ड हैं, पीएफ़सी अपनी वृद्धि को बनाए रखने में सक्षम रहा है।

आईएनआर 3,71,158 करोड़ के परिसंपत्ति आधार के साथ, पीएफ़सी का स्टैंडअलोन पीएटी पिछले वर्ष छ1 वि.व. '20 की तुलना में छ1 वि.व.'21 में 49% बढ़कर आईएनआर 3,785 करोड़ हो गया है । प्रमुख वित्तीय संकेतक ऊपर की ओर रुझान के साथ स्थिर बने हुए हैं। छ1 वि.व.'21 के लिए प्रतिफल 10.67% पर स्थिर बनी हुई है। दूसरी ओर, घटती ब्याज दर परिदृश्य के अनुरूप, पीएफसी की निधि लागत लगातार कम हो रही है। छ1 वित्तीय वर्ष '21 में, निधि की लागत लगभग 22 बेस पॉइंट की कमी के साथ 7.64 % हो गई है, जो कि इसी अवधि, जो कि छ1 वित्तीय वर्ष '20 है, में क्रमशः 7.86% थी । इस प्रकार के साथ स्थिर प्रतिफल और निधि की लागत को कम करने से, छ 1 वि.व.'20 की तुलना में छ 1 वि.व.'21 में स्प्रेड की 30 बेस पॉइंट से वृद्धि हुई है ।

एक और महत्वपूर्ण संकेतक जिसे मैं आपके सामने रखना चाहता हूं, वह है सीआरएआर, जिसमें सुधार जारी है और 30 सितंबर 2020 तक 18.18% है। मेरा मानना है कि आगे जाकर, हम इन वित्तीय अनुपातों को बनाए रखने में सक्षम होंगे। कुल मिलाकर, इस अवधि के दौरान कई चुनौतियों के बावजूद, पीएफसी एक स्थाई वित्तीय कार्य-निष्पादन देने में सक्षम रहा है।

अब समेकित वित्तीय कार्य-निष्पादन पर आते हुए, मैं यह सूचित करना चाहता हूं कि 30 सितंबर 2019 की तुलना में 30 सितंबर 2020 को समेकित पीएटी और ब्याज आय में क्रमशः 45% और 17% की वृद्धि हुई है। समेकित सीआरएआर में 30 सितंबर 2019 को 17.54% की वृद्धि हुई है। 30 सितंबर 2019 को 17.35% की तुलना में 2020, भविष्य के विकास का समर्थन करने के लिए आरामदायक पूंजी स्तरों को दर्शाता है। समेकित ऋण परिसंपत्ति बही ने पिछली अवधि की तुलना में आईएनआर 7,20,110 करोड़ की संपत्ति के साथ 30 सितंबर 2020 तक 15% की वृद्धि दिखाई है । पीएफसी और आरईसी दोनों में दबावग्रस्त परिसंपत्तियों के समाधान के कारण, समेकित निवल एनपीए अनुपात में गिरावट जारी है और पिछले वर्ष के 3.89% से 129 बेस पॉइंट की कमी के साथ 30 सितंबर 2020 को 2.60% हो गया है।

अब मैं पीएफसी की कुछ दबावग्रस्त परिसंपत्तियों के समाधान की स्थिति साझा करना चाहूंगा। जैसा कि आप जानते हैं कि 30 सितंबर 2020 तक कुल 25 परियोजनाएं दबावग्रस्त हैं। इनमें से भी, वर्तमान में 16,185 करोड़ रुपए की 17 परियोजनाओं को एनसीएलटी के माध्यम से और 10,342 करोड़ रुपए की शेष 8 परियोजनाओं का समाधान एनसीएलटी के बाहर किया जा रहा है। हमारे निवेशकों ने इन 2 मार्गों के तहत संसाधित की जा रही परियोजनाओं के विवरण के लिए अनुरोध किया है। इसलिए मैं उन मुख्य परियोजनाओं को साझा करना चाहूंगा जहां पीएफसी ने एनसीएलटी से संपर्क किया है । ये हैं केएसके महानदी पावर कंपनी लिमिटेड, इंड-बरथ एनर्जी उत्कल लिमिटेड, लैंको अमरकंटक पावर लिमिटेड, साउथ ईस्ट यूपी पावर ट्रांसमिशन कंपनी लिमिटेड, श्री महेश्वर हाइडल पावर प्रोजेक्ट। मुख्य परियोजनाओं जो पीएफसी एनसीएलटी के बाहर हल कर रही है वे हैं -आरकेएम पावरजेन प्राइवेट लिमिटेड, इंडिया पावर कॉर्पोरेशन हल्दिया, सिन्नर थर्मल पावर लिमिटेड । कुल मिलाकर, इन 8 परियोजनाओं में चरण 3 की कुल संपत्ति का 75% शामिल है। इन परियोजनाओं के लिए प्रावधान अपेक्षित ऋण हानि मॉडल पर किया जा रहा है और पर्याप्त स्तर बनाए रखा जा रहा है। वर्तमान में, पीएफसी के पास चरण 3 परिसंपत्तियों के लिए 56% का कवरेज है। हमने अपनी प्रस्तुति में इन मुख्य परियोजनाओं की सीओडी स्थिति और समाधान स्थिति जैसे अधिक विवरण साझा किए हैं, जिन्हें अधिक जानकारी के लिए संदर्भित किया जा सकता है। उपरोक्त परियोजनाओं में से, मैं इस बात पर प्रकाश डालना चाहूंगा कि हमारे सबसे बड़े एक्सपोजर में से एक, आरकेएम पावरजेन, हम एनसीएलटी प्रक्रिया के बाहर समाधान के करीब हैं। एक बैंक को छोड़कर सभी ऋणदाताओं ने समाधान योजना पर सहमति जताई है। हालांकि, हमें पिछले बैंक से भी सकारात्मक वापसी की उम्मीद है। इसे देखते हुए आने वाली तिमाही में हम आरकेएम पावरजेन के लिए समाधान योजना को लागू करने में सक्षम होंगे। इस परियोजना के लिए प्रावधान पर्याप्त है और हम अपनी बैलेंस शीट पर किसी और प्रभाव की परिकल्पना नहीं करते हैं। हालांकि कोविड़ स्थिति के कारण, समाधान प्रक्रिया थोड़ी धीमी हो गई है, लेकिन मैं आपको आश्वस्त कर सकता हूं कि हम उन्हें जल्द से जल्द हल करने के लिए हर संभव प्रयास कर रहे हैं।

हमारे लगातार प्रयास से, हम अपने एनपीए स्तर में धीरे-धीरे और लगातार सुधार कर रहे हैं। 30 सितंबर 2020 तक हमारा एनपीए 3.12% है। ऋण पोर्टफोलियो के मोर्चे पर आगे बढ़ते हुए, वित्त वर्ष '21 के लिए, अनुमोदित ऋण कार्यक्रम के अनुसार, घरेलू और अंतरराष्ट्रीय बाजार से 90,000 करोड़ रुपए की निधि जुटाने की परिकल्पना की गई है। पीएफसी अगली तिमाही में इस राशि में वृद्धि की योजना बना रहा है। आरबीआई योजना के अनुरूप लगभग 20,000 करोड़ रुपए बकाया पर ऋणकर्ताओं को दी गई मोहलत और लिक्विडिटी छूट योजना के तहत ऋण देने के कारण इसकी आवश्यकता बढ़ गई है, जिससे निधि की आवश्यकता बढ़ गई है।

जैसा कि आप जानते हैं कि भारत सरकार ने 30 जून 2020 तक पीएसयू जेनको और ट्रांसको आईसीपी और आरई जेनरेटर की बकाया राशि की निकासी के लिए मौजूदा 90,000 करोड़ रुपए की सीमा को बढ़ाकर 1.2 लाख करोड़ रुपए कर दिया है।

हमें यह बताते हुए खुशी हो रही है कि पीएफसी को अपनी निधि आवश्यकताओं को पूरा करने में कोई कठिनाई नहीं हुई है। बाज़ार में रणनीतिक सरकार और आरबीआई के हस्तक्षेप के कारण पर्याप्त लिक्विडिटी के कारण, पीएफसी प्रतिस्पर्धी लागतों पर पहली छमाही के दौरान घरेलू बाजार से करीब 60,000 करोड़ रुपए जुटाने में सक्षम रहा है। इसके अलावा बढ़ते विदेशी मुद्रा ऋण पोर्टफोलियो से उत्पन्न जोखिम पर विचार करते हुए, पीएफसी भी सक्रिय रूप से अपने विदेशी ऋण पोर्टफोलियो की हेजिंग पर ध्यान केंद्रित कर रहा है। अगर हम देखें, तो पीएफसी ने 5 साल तक की अवशिष्ट परिपक्वता के साथ पोर्टफोलियो के लिए एक्सचेंज जोखिम का 72% पहले ही बचाव कर लिया है। इस प्रकार, हम लगातार अपनी बैलेंस शीट को इस तरह के विदेशी मुद्रा के उतार-चढ़ाव से बचाने पर ध्यान केंद्रित कर रहे हैं।

इसके अतिरिक्त, अब अंत में आगे की ओर बढ़ते हैं। जैसे-जैसे कोविड़-19 लगातार बढ़ रहा है, स्थिति के आगे बढ़ने पर इसके प्रभाव की बेहतर समझ सामने आएगी । हालाँकि, वर्तमान में, हमारे विकास के लिए, हम टी एंड डी और नवीकरणीय व्यवसाय पर ध्यान केंद्रित करना जारी रखते हैं । हम भारत सरकार के निर्देश के अनुरूप डिस्कॉम क्रेडिट पैकेज के तहत ऋण देने को प्राथमिकता देंगे । इसके कारण, ऋण परिसंपत्ति वृद्धि पिछले वर्ष के समान स्तर पर रहने की उम्मीद है । धन्यवाद। और अब हम आपके सवाल ले सकते हैं।

सवाल और जवाब

(संचालक निर्देश) पहला प्रश्न फिलिप कैपिटल के मनीष अग्रवाल की ओर से है।

मनीष अग्रवाल, फिलिप कैपिटल (इंडिया) प्रा.लिमिटेड

मेरे पास दो सवाल है। मैं एक-एक करके पूछूंगा। क्या आप इस बारे में कुछ प्रकाश डाल सकते हैं कि आप भारत में अगले 2 से 3 वर्षों के लिए किस प्रकार की विद्युत की मांग देखते हैं? और सार्वजनिक और निजी क्षेत्र मिलाकर कैपेक्स पक्ष पर भी कुछ प्रकाश डालें । इसलिए जब आप इसका उत्तर देंगे तो मैं अगला प्रश्न पूछूंगा।

रविन्द्र सिंह ढिल्लों, पावर फाइनेंस कॉर्पोरेशन लिमिटेड - अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक

कोविड अवधि के दौरान बिजली की मांग में गिरावट आई है। लेकिन अब हमारी परिकल्पना है कि अर्थव्यवस्थाओं और उद्योगों के खुलने से वर्तमान में बिजली की मांग पिछले साल के सितंबर के समान स्तर पर आ गई है। साथ ही, आगे चलकर, बिजली की मांग, जो आमतौर पर हर साल लगभग 5% से 6% तक बढ़ जाती है, मुझे लगता है कि कैपेक्स आवश्यकता के संबंध में निरंतर रहना चाहिए। तो अब जो परियोजनाएं उत्पादन पक्ष में आ रही हैं वे नवीकरणीय ऊर्जा और एकीकृत नवीकरणीय ऊर्जा परियोजनाएं हैं। और संबंधित ट्रांसमिशन और वितरण भी यहां होगा। इसलिए आगे चलकर बिजली क्षेत्र में कैपेक्स की आवश्यकता होगी।

मनीष अग्रवाल, फिलिप कैपिटल (इंडिया) प्रा.लिमिटेड

तो क्या आपके पास कोई संख्या है जैसे कि यह कितना होना चाहिए, उद्योग किस तरह का कैपेक्स देखेगा, टी एंड डी और उत्पादन दोनों को एक साथ रखा जाए?

रविन्द्र सिंह ढिल्लों, पावर फाइनेंस कॉर्पोरेशन लिमिटेड - अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक

इसलिए आम तौर पर, मुझे लगता है कि अक्षय ऊर्जा में, 2022 तक 1,75,000 मेगावाट का लक्ष्य है और इन नवीकरणीय परियोजनाओं की लागत आमतौर पर लगभग 4 करोड़ रुपए से 5 करोड़ रुपए प्रति मेगावाट है। तो यह आवश्यकता होगी और संबंधित ट्रांसमिशन और वितरण होना चाहिए। हमने देखा है कि लंबे समय में, लगभग 60% कैपेक्स उत्पादन के पक्ष में है और 40% टी एंड डी पक्ष पर है।

मनीष अग्रवाल, फिलिप कैपिटल (इंडिया) प्रा.लिमिटेड

ठीक महोदय । मेरा दूसरा प्रश्न डिस्कॉम के लिए भारत सरकार के पैकेज के बारे में है। आपने बताया कि पीएफसी ने इस योजना के तहत 20,000 करोड़ रुपए मंजूर किए हैं। आप इस टी एंड डी के तहत संपूर्ण संवितरण कब तक देखते हैं? यह एक सवाल है। और ये कारक देश के पूरे पावर इकोसिस्टम को कैसे मदद करते हैं? क्या आप देखते हैं कि अगले 6 से 9 महीनों में जेनकोस और निजी टी एंड डी के अतिदेय (ओं) में काफी कमी आई है?

रविन्द्र सिंह ढिल्लों, पावर फाइनेंस कॉर्पोरेशन लिमिटेड - अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक

पीएफसी और आरईसी ने मिलकर लगभग 31,000 करोड़ रुपए का संवितरण किया है। तो उसमें से, आईएनआर 14,000 करोड़ पीएफ़सी का हिस्सा है। पीएफसी और आरईसी ने मिलकर 1.18 लाख करोड़ रुपए और खुद पीएफसी ने 59,000 करोड़ रुपए की संस्वीकृति दी है । तो इसे 2 किश्तों अर्थात ट्रांच 1 और ट्रांच 2 में जारी किया जाना है। ट्रांच 2 के लिए, कुछ सुधार-संबंधी शर्तें हैं, जिन्हें राज्यों और डिस्कॉम (मों) द्वारा पूरा किया जाना है। इसलिए आगे बढ़ते हुए, मुझे लगता है कि किश्त 1 के तहत, 50% शायद दिसंबर, जनवरी तक संवितरित किया जाना चाहिए, और ट्रांच 2 के तहत, यह बाद के महीनों में होगा। विद्युत क्षेत्र के लिए यह कैसे फायदेमंद है, इस संबंध में, यह पैकेज सीपीएसयू और आईपीपी को लिक्विडिटी संकट से निपटने में मदद करेगा क्योंकि डिस्कॉम अपने अधिक भुगतान बकाया का भुगतान करेगा। तो तुरंत, इस क्षेत्र में समग्र तनाव में कमी आएगी। जहां तक पीएफसी का संबंध है, ये ऋण राज्य की टिप्पणी गारंटी द्वारा समर्थित हैं और इनमें जोखिम की दर कम होगी। राज्य सरकारें भी इन योजनाओं की पक्षकार होंगी क्योंकि डिस्कॉम (मों) के लिए सरकारी विभाग की

बकाया राशि का भुगतान किया जाएगा और राज्यों द्वारा नियमित रूप से सब्सिडी का भुगतान किया जाएगा। तो ये किश्त 2 की शर्तें हैं। इसलिए मूल रूप से, इस क्षेत्र को ही लाभ होगा क्योंकि अतिदेयों को मंज़ूरी दे दी जाएगी और डिस्कॉम (मों) के वित्त की छोटी शर्तों में सुधार होगा।

मनीष अग्रवाल, फिलिप कैपिटल (इंडिया) प्रा.लिमिटेड

तो तीसरा प्रश्न आपके आईएनआर 265 बिलियन मूल्य की चरण 3 परिसंपत्तियों के बारे में है। क्या आप उन संपत्तियों का ब्रेकअप दे सकते हैं। क्या आप इसके बारे में कुछ बता सकते हैं, इसमें से कितनी परिचालन परियोजनाएं हैं और कितनी निर्माणाधीन हैं? और दोनों के बीच, आप निर्माणाधीन और संचालन के लिए क्या प्रावधान कर रहे हैं?

रविन्द्र सिंह ढिल्लों, पावर फाइनेंस कॉर्पोरेशन लिमिटेड - अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक

तो आपका प्रश्न बहुत स्पष्ट नहीं था। दरअसल, वहाँ था ...

मनीष अग्रवाल, फिलिप कैपिटल (इंडिया) प्रा.लिमिटेड

हाँ। तो मेरा सवाल चरण 3 की परिसंपत्ति के 265 अरब रुपए के बारे में था। तो इसमें से कितनी राशि निर्माणाधीन परियोजना की ओर थी? और ऑपरेशनल प्रोजेक्ट कितने हैं? और आप अभी निर्माणाधीन और परिचालन दोनों परियोजनाओं के लिए किस तरह का प्रावधान करते हैं?

प्रमिन्द्र चोपड़ा, पावर फाइनेंस कॉर्पोरेशन लिमिटेड - निदेशक (वित्त)

नंबर, हम आपके साथ बाद में साझा कर सकते हैं। आप सरकारी क्षेत्र के कुल बकाया के बारे में पूछ रहे हैं, है ना?

मनीष अग्रवाल, फिलिप कैपिटल (इंडिया) प्रा.लिमिटेड

नहीं, नहीं। मैं चरण 3 एनपीए, आईएनआर 265 बिलियन के बारे में पूछ रहा हूँ। उसमें से, निर्माणाधीन परियोजना के लिए कितना है?

रविन्द्र सिंह ढिल्लों, पावर फाइनेंस कॉर्पोरेशन लिमिटेड - अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक

हमें आंकडे फाइनल करने है, बस हमें कुछ समय दें।

प्रमिन्द्र चोपड़ा, पावर फाइनेंस कॉर्पोरेशन लिमिटेड - निदेशक (वित्त)

इसलिए कुछ परियोजनाएं हैं जैसे केएसके, लैंको एंड इंड बरथ उत्कल, आर.के.एम. पावरजेन और फिर इंडिया पावर हल्दिया जिन्हें आंशिक रूप से शुरू किया गया है। ये सभी परियोजनाएं आंशिक रूप से चालू हैं, जिनमें से आर.के.एम. है, मुझे लगता है, पूरी तरह से चालू है। इसलिए यह कहना बहुत मुश्किल है कि कितना है - क्योंकि चूंकि ये सभी परियोजनाएं 100% चालू नहीं हुई हैं। इसलिए प्रतिशत के लिहाज से यह कहना मुश्किल होगा। लेकिन यह डाटा, मुझे लगता है, हमने अपनी प्रस्तुति में भी साझा किया है।

मनीष अग्रवाल, फिलिप कैपिटल (इंडिया) प्रा.लिमिटेड

ठीक है महोदया। मैं स्लाइड में संदर्भ लेता हूं। इस पर सिर्फ एक और स्पष्टीकरण, एनसीएलटी समाधान परियोजनाओं के बाहर, क्या वे बड़े पैमाने पर निर्माणाधीन परियोजनाएं होंगी? क्योंकि जैसा कि हम एनसीएलटी परियोजनाओं को देखते हैं जो समाधान के अधीन हैं, या तो वे पूरी हो चुकी हैं या आंशिक रूप से पूरी हो चुकी हैं।

प्रमिन्द्र चोपड़ा, पावर फाइनेंस कॉर्पोरेशन लिमिटेड - निदेशक (वित्त)

बिलकुल ठीक। इसलिए यदि आप फिर से, एनसीएलटी प्रस्ताव के बाहर, प्रस्तुति को देखें, तो हमने कहा है कि आर.के.एम. पावरजेन है, जो 100% शुरू की गई परियोजना है और राजस्व उत्पन्न कर रही है। इसके अलावा, इंडिया पावर हल्दिया, फिर से, 3 इकाइयों में से, 2 इकाइयों को चालू कर दिया गया है। सिन्नार ताप विद्युत परियोजना है। ये हैं 3 बड़ी परियोजनाएं हैं प्रोजेक्ट छोटी और सिन्नार भी चालू है। लेकिन चूंकि पीपीए नहीं किया गया है, इसलिए यह एनपीए हो गया है।

मनीष अग्रवाल, फिलिप कैपिटल (इंडिया) प्रा. लिमिटेड

और यह परिचालन परियोजनाएं, महोदय, वे अभी किस पीएलएफ पर चल रहे हैं?

प्रमिन्द्र चोपड़ा, पावर फाइनेंस कॉर्पोरेशन लिमिटेड - निदेशक (वित्त)

कौन सी परियोजना?

मनीष अग्रवाल, फिलिप कैपिटल (इंडिया) प्रा. लिमिटेड

प्रस्ताव के तहत परिचालन परियोजनाएं, वे अभी किस पीएलएफ स्तर पर चल रही हैं?

रविन्द्र सिंह ढिल्लों, पावर फाइनेंस कॉर्पोरेशन लिमिटेड - अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक

आपको विशिष्ट परियोजनाओं के लिए पीएलएफ से पूछना होगा।

प्रमिन्द्र चोपड़ा, पावर फाइनेंस कॉर्पोरेशन लिमिटेड - निदेशक (वित्त)

यह परियोजना विशिष्ट होना चाहिए। कोई मानक प्रतिशत नहीं है जिसे हम कह सकते हैं। सभी परियोजनाओं के लिए कोविड़ अवधि में प्रभाव पड़ा है। लेकिन अभी जो हम समझते हैं कि पीएलएफ इन परियोजनाओं के लिए उठा रहा है। इसलिए यदि आप किसी विशेष परियोजना के बारे में जानना चाहते हैं, तो हम हमेशा आपके साथ अलग से डाटा साझा कर सकते हैं।

संचालक

अगला प्रश्न एसबीआई लाइफ के सुब्रत द्विवेदी की ओर से है ।

सुब्रत द्विवेदी, एसबीआई लाइफ इंश्योरेंस कंपनी लिमिटेड

मेरा पहला प्रश्न आईएनआर 90,000 करोड़ की ऋण योजना पर है, जिसे पहले साझा किया गया था। तो अब इसे पूरे साल के लिए कितना संशोधित किया जाएगा? और उसमें से वर्ष की शेष राशि के लिए, बॉण्ड (डों) के माध्यम से कितनी राशि जुटाई जाएगी?

रविन्द्र सिंह ढिल्लों, पावर फाइनेंस कॉर्पोरेशन लिमिटेड - अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक

तो यह पहले 90,000 करोड़ रुपए था जब मार्च के अंत तक बकाया था। अब सरकार ने फैसला किया है कि यह जून के अंत तक बकाया राशि को कवर करेगा। इसलिए यह 90,000 करोड़ रुपए से बढ़कर 1.2 लाख करोड़ रुपए हो गया है। तो हमारा ऋण भी उसी हिसाब से बढ़ेगा। वर्तमान में, हम ज्यादातर घरेलू बॉण्ड के माध्यम से ही जुटा रहे हैं और यदि विनिमय दर अनुकूल है, तो हम विदेशी ऋण भी लेंगे।

प्रमिन्द्र चोपड़ा, पावर फाइनेंस कॉर्पोरेशन लिमिटेड - निदेशक (वित्त)

अब तक, हमने लगभग 60,000 करोड़ रुपए जुटाए हैं, कुल ऋण 90,000 करोड़ रुपए के मुकाबले किया गया है, जो अब तक बोर्ड द्वारा अनुमोदित है।

सुब्रत द्विवेदी, एसबीआई लाइफ इंश्योरेंस कंपनी लिमिटेड

इसलिए मैं अभी भी संख्या के बारे में बहुत स्पष्ट नहीं हूं। आईएनआर 90,000 करोड़ आईएनआर 1.2 लाख करोड़ तक जाता है। तो आईएनआर 60,000 करोड़ का आप पहले ही ऋण ले चुके हैं। दूसरी छमाही में एक और 60,000 करोड़ रुपए का ऋण लिए जाएंगे। क्या यह समझ सही है?

रविन्द्र सिंह ढिल्लों, पावर फाइनेंस कॉर्पोरेशन लिमिटेड - अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक

तो यह एकैकी नहीं है, हम आपको एकैकी आंकड़ा नहीं दे पा रहे हैं क्योंकि सामान्य संवितरण भी हो रहे हैं। तो यह समग्र आंकड़ा है, जो हमारी महोदया ने संकेत दिया है।

प्रमिन्द्र चोपड़ा, पावर फाइनेंस कॉर्पोरेशन लिमिटेड - निदेशक (वित्त)

देखिए, हम काम कर रहे हैं कि चालू वित्त वर्ष के लिए हमारी ऋण सीमा बढ़ाने की क्या आवश्यकता होगी। हम अपने संवितरण का अनुमान लगाएंगे और उसके आधार पर हम इस पर काम करेंगे। अभी सीएमडी सर ने आपको लिक्विडिटी पैकेज में वृद्धि के बारे में बताया है। जब यह 90,000 करोड़ रुपए का कार्यक्रम तैयार किया गया था, तो यह फरवरी 2020 में किया गया था। इसलिए परियोजना से संबंधित संवितरण पर कुछ प्रतिकूल प्रभाव पड़ा है। लेकिन लिक्विडिटी पैकेज योजना के तहत संवितरण के कारण, हम अपने संवितरण स्तर को बनाए रखने में सक्षम थे। इसलिए हमें काम करने की जरूरत है और शायद इस तिमाही के अंत तक हम ऐसा करने में सक्षम होंगे।

सुब्रत द्विवेदी, एसबीआई लाइफ इंश्योरेंस कंपनी लिमिटेड

और मेरा दूसरा प्रश्न था - बस एक स्पष्टीकरण। तो ट्रांच 1 में कुल कितनी राशि संस्वीकृत और संवितरित की जानी है?

रविन्द्र सिंह ढिल्लों, पावर फाइनेंस कॉर्पोरेशन लिमिटेड - अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक

इसलिए हम इसे एक साथ ही कर रहे हैं, ट्रांच 1 और ट्रांच 2 एक साथ हम संस्वीकृत कर रहे हैं। ट्रांच 1 के लिए अलग से और ट्रांच 2 के लिए अलग से भुगतान किया जाएगा। इसलिए पीएफसी ने अब तक 59,000 करोड़ रुपए मंजूर किए हैं। यह कुल दोनों ट्रांच 1 और ट्रांच 2 के निमित्त है। और जो हमने संवितरित किया है वह आईएनआर 14,000 करोड़ है जो कि ट्रांच 1 के तहत है ।

संचालक

अगला प्रश्न एसबीआई म्यूचुअल फंड के हार्दिक शाह की ओर से है।

हार्दिक शाह, एसबीआई म्यूचुअल फंड

महोदय, मैं अधिस्थगन बही के बारे में कुछ और समझना चाहता था। तो आपने 20,000 करोड़ रुपए के ऋण का उल्लेख किया था - अधिस्थगन का विकल्प चुना था। तो इनमें से आप किस पुनर्रचना की अपेक्षा कर रहे हैं? और कुल मिलाकर, आप कितने पुनर्गठन की उम्मीद करते हैं?

प्रमिन्द्र चोपड़ा, पावर फाइनेंस कॉर्पोरेशन लिमिटेड - निदेशक (वित्त)

देखिए, अभी आरबीआई के दिशानिर्देशों के मुताबिक अधिस्थगन दिया गया है। जैसा कि सर ने कहा है कि लगभग 20,000 करोड़ रुपए बकाया राशि के लिए अधिस्थगन का विकल्प चुना है। इसलिए हमने उन्हें अधिस्थगन की अनुमति दी है और आगे बढ़ते हुए, जैसा कि आप जानते हैं, कि जब ऋण परिपक्व हो रहा है, इसे ऋण की किश्तों के अंत में स्थानांतरित कर दिया गया है । इस विशेष अधिस्थगन राशि को आरबीआई के दिशानिर्देशों के अनुरूप स्थानांतरित कर दिया गया है। इसलिए हम इनमें से किसी भी ऋण में किसी भी पुनर्गठन की उम्मीद नहीं कर रहे हैं।

हार्दिक शाह, एसबीआई म्यूचुअल फंड

कोई अन्य ऋण या कोई अपेक्षा पोर्टफोलियो के कितने प्रतिशत पुनर्रचना की आवश्यकता हो सकती है?

प्रमिन्द्र चोपड़ा, पावर फाइनेंस कॉर्पोरेशन लिमिटेड - निदेशक (वित्त)

अभी, कुछ छोटी, छोटी परियोजनाएं हो सकती हैं, जिनकी आवश्यकता हो सकती है। लेकिन आज की तारीख में 30 सितंबर तक ऐसी कोई हलचल नहीं है।

हार्दिक शाह, एसबीआई म्यूचुअल फंड

महोदय, अभी कंपनी का एएलएम प्रोफाइल क्या है?

प्रमिन्द्र चोपड़ा, पावर फाइनेंस कॉर्पोरेशन लिमिटेड - निदेशक (वित्त)

30 सितंबर तक, परिसंपत्ति की भारित औसत परिपक्वता 6.30 वर्ष है और देनदारियों का भारित औसत 4.99 है। यह 31 मार्च 2020 से इस वर्ष 1.40 अंतराल से 1.30 अंतराल तक सुधर गया है।

हार्दिक शाह, एसबीआई म्यूचुअल फंड

1 वर्ष तक, बेमेल क्या होगा?

प्रमिन्द्र चोपड़ा, पावर फाइनेंस कॉर्पोरेशन लिमिटेड - निदेशक (वित्त)

1 वर्ष तक। आप लिक्विडिटी बेमेल के लिए पूछ रहे हैं?

हार्दिक शाह , एसबीआई म्यूचुअल फंड

जी हाँ।

प्रमिन्द्र चोपड़ा, पावर फाइनेंस कॉर्पोरेशन लिमिटेड - निदेशक (वित्त)

तो 1 वर्ष तक संचयी बेमेल लगभग 30% है ।

संचालक

अगला प्रश्न आईसीआईसीआई सिक्यूरिटीज के कुणाल शाह की ओर से है।

कुणाल शाह, आईसीआईसीआई सिक्यूरिटी राइट्स लिमिटेड

हाँ। अच्छे अंकों के लिए बधाई। तो सबसे पहले, क्या यह मान लेना उचित होगा कि यह संपूर्ण तरलता पैकेज इस विशेष प्रणाली में वितरित किया जाएगा? तो क्या दिसंबर तक कोई पहली किश्त आने की उम्मीद है? और दूसरा बिंदु भी, क्या यह मान लेना उचित होगा कि यह मार्च तक हो जाएगा?

रविन्द्र सिंह ढिल्लों, पावर फाइनेंस कॉर्पोरेशन लिमिटेड - अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक

तो यह, जैसा कि मैंने पहले भी उल्लेख किया था, यह सुधार संबंधी स्थितियों से संबंधित है। तो यह राज्यों पर निर्भर है, अगर वे शर्तों को पूरा करने में सक्षम हैं, तो हम ट्रांच 2 का भी भुगतान करने में सक्षम होंगे। 2 राज्यों में, हमें पहले ही योजनाएं आदि मिल चुकी हैं और हम इसकी जांच कर रहे हैं। हमें उम्मीद है कि इसके खिलाफ हम जल्द ही भुगतान कर पाएंगे। लेकिन शेष के लिए, उन्होंने अभी तक योजना प्रस्तुत नहीं की है और उसी के अनुसार हम संवितरण कर सकेंगे। इसलिए, ट्रांच 1 होगा, जैसा कि मैंने संकेत दिया था, हम दिसंबर में और शायद इस चालू वर्ष में ट्रांच 2 के कुछ हिस्से का संवितरण करने में सक्षम होंगे।

कुणाल शाह, आईसीआईसीआई सिक्योरिटीज लिमिटेड

अच्छा जी। और इसलिए इस संवितरण के अलावा, मुझे लगता है कि इस तिमाही में भी आप देख रहे हैं कि वहाँ उत्पादन संवितरण भी है (अश्रव्य) । तो चलनिधि पैकेज के ऊपर, क्या हम यह मान सकते हैं कि विद्युत क्षेत्र में समग्र आवश्यकता के संदर्भ में संवितरण चलने की दर के बाद से, यह भी चल रहा होगा और वास्तविक संवितरण और विकास अपेक्षाकृत उच्च स्तर पर होगा।

रविन्द्र सिंह ढिल्लों, पावर फाइनेंस कॉर्पोरेशन लिमिटेड - अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक

नहीं, कोविड़ के कारण, कुल मिलाकर, मंदी रही है और साइट पर सामग्री के संबंध में, जनशक्ति के संबंध में जुटाव धीमा रहा है। इसके अतिरिक्त, मुझे लगता है कि परियोजना ऋण संवितरण में कमी आएगी। लेकिन हम निश्चित रूप से पिछले वर्ष के स्तर तक पहुंचेंगे क्योंकि हमारे पास यह आत्मानिर्भर कार्यक्रम है। और निश्चित रूप से हम इस आत्मानिर्भर कार्यक्रम के कारण विकास को बनाए रखने में सक्षम होंगे। और देखते है कि इस संबंध में आगे क्या रास्ता है कि परियोजनाएं कैसे सामने आती हैं और उन्हें कैसे जुटाया जाता है और कितनी संवितरण की आवश्यकता है। इसलिए हमारे पास संवितरण है, जब भी काम पूरा होता है, तभी वे हमें दावे भेज रहे हैं और हम संवितरण कर रहे हैं। इसलिए जब साइट पर प्रगति होगी, हम संवितरण करेंगे।

कुणाल शाह, आईसीआईसीआई सिक्योरिटीज लिमिटेड

जी महोदय। ज़रूर। और अंत में, लाभांश के संदर्भ में, पीएफसी ने प्रति शेयर आईएनआर 6 का अंतरिम लाभांश घोषित किया है। तो अब हम इसे किसी भी तरह के अंतरिम लाभांश के संदर्भ में कैसे

देख रहे हैं और कमाई से 30% लाभांश भुगतान के लिए क्या दृश्यता है, जिसकी हम उम्मीद कर सकते हैं कि यह इस वित्तीय वर्ष के लिए भी काफी (अश्रव्य) होगा?

रविन्द्र सिंह ढिल्लों, पावर फाइनेंस कॉर्पोरेशन लिमिटेड - अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक

इसलिए पीएफसी लाभांश के भुगतान के विभिन्न मानदंडों का पालन कर रहा है, जो कि निवल मूल्य का 5% या लाभ का 30%, जो भी अधिक हो। लेकिन जैसा कि हमने पिछले वित्तीय वर्ष में देखा है, वर्ष के अंत के दौरान प्रतिकूल प्रभाव पड़ा और अमेरिकी डॉलर से आईएनआर की दर लगभग आईएनआर 77 हुई और फिर यह आईएनआर 75 पर बंद हो गई। इसलिए पिछले महीने के दौरान, एक माध्यमिक नुकसान था, जो हमें उठाना पड़ा।

इसलिए यदि विनिमय दर स्थिर होती है, तो हम देखेंगे और बोर्ड इस लाभांश मुद्दे पर क्या विचार करेगा और हम तदनुसार निर्णय लेंगे और यह विनिमय दर और कोविड़ प्रभाव और कंपनी के कार्य-निष्पादन जैसे बाहरी कारकों पर भी निर्भर करेगा।

कुणाल शाह, आईसीआईसीआई सिक्योरिटीज लिमिटेड

ठीक महोदय। तो क्या यह अधिक अंतरिम जैसा होगा या शायद यह फाइनल जैसा ही होगा?

रविन्द्र सिंह ढिल्लों, पावर फाइनेंस कॉर्पोरेशन लिमिटेड - अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक

इसलिए आम तौर पर हम तीसरी तिमाही के नतीजों के आधार पर दे रहे हैं। इसलिए आगे बढ़ते हुए, हम उसी पर टिके रहना चाहेंगे।

संचालक

अगला प्रश्न सीडी इक्विसर्च से किशन गुप्ता की ओर से है।

किशन गुप्ता, सीडी इक्विसर्च प्राइवेट लिमिटेड

तो मैं यह समझना चाहता हूं कि इस बार आपकी हानि करोड़ों रुपए से बढ़कर 650 करोड़ रुपए क्यों हो गई है ?

प्रमिन्द्र चोपड़ा, पावर फाइनेंस कॉर्पोरेशन लिमिटेड - निदेशक (वित्त)

देखिए, पीएफसी आईएनडी एएस लेखा प्रणाली का पालन कर रहा है और हम अपेक्षित क्रेडिट हानि के आधार पर हानि भत्ता कर रहे हैं । तो जैसा कि आप जानते हैं कि कोविड के कारण एनसीएलटी प्रक्रिया में कुछ देरी हुई है। इसलिए एहतियाती उपाय के रूप में, हमने काम किया है और कुछ परिसंपत्तियों में अपेक्षित क्रेडिट हानि के आधार पर, हानि बढ़ गई है।

किशन गुप्ता, सीडी इक्विसर्च प्राइवेट लिमिटेड

जी ठीक है। और इस 953 करोड़ रुपए में आपने कितना अतिरिक्त प्रावधान किया है? क्या कोई बफर भी है?

प्रमिन्द्र चोपड़ा, पावर फाइनेंस कॉर्पोरेशन लिमिटेड - निदेशक (वित्त)

देखिए, यह पूरी तरह से अपेक्षित क्रेडिट लॉस पर है। इसलिए वहां यह कहना बहुत मुश्किल होगा। मामूली रूप से, हमने चरण 1 की परिसंपत्तियों में भी वृद्धि की है, लेकिन प्रमुख चरण 3 परिसंपत्तियों की ओर है।

किशन गुप्ता, सीडी इक्विसर्च प्राइवेट लिमिटेड

और मोराटोरियम खातों के लिए क्या प्रावधान है?

प्रमिन्द्र चोपड़ा, पावर फाइनेंस कॉर्पोरेशन लिमिटेड - निदेशक (वित्त)

मोराटोरियम खाते केवल चरण 1 श्रेणी में आते हैं। हाँ।

किशन गुप्ता, सीडी इक्विसर्च प्राइवेट लिमिटेड

जी ठीक है। और इस बार आईएनआर 420 करोड़ के इस विदेशी मुद्रा नुकसान की प्रकृति क्या है ?

प्रमिन्द्र चोपड़ा, पावर फाइनेंस कॉर्पोरेशन लिमिटेड - निदेशक (वित्त)

मुझे लगता है कि विदेशी मुद्रा हानि की गणना करते समय, आपको निवल अंतरण हानि और मार्क-टू-मार्केट को सममायोजित करना होगा। तो आप 428 करोड़ रुपए की बात कर रहे हैं, जो पीएफसी के हेज किए गए पोर्टफोलियो के मुकाबले नकारात्मक मार्क-टू-मार्केट है। तो निवल प्रभाव नकारात्मक केवल ₹224 करोड़ है ।

किशन गुप्ता, सीडी इक्विसर्च प्राइवेट लिमिटेड

तो यह आपके विदेशी मुद्रा के लिए है - विदेशी मुद्रा एक्सपोजर, ऋण एक्सपोजर।

प्रमिन्द्र चोपड़ा, पावर फाइनेंस कॉर्पोरेशन लिमिटेड - निदेशक (वित्त)

जी बिलकुल ठीक।

संचालक

अगला प्रश्न दाइवा कैपिटल मार्केट्स के पुनीत श्रीवास्तव की ओर से है।

पुनीत श्रीवास्तव, दाइवा सिक्योरिटीज कंपनी लिमिटेड

तो मेरा पहला प्रश्न प्रावधान पर है, मुझे लगता है कि इस विषय पर पहले भी प्रश्न पूछा गया है । तो चरण 2 ऋणों पर प्रावधान बढ़ गए हैं, अगर मैं सही हूं, तो लगभग आईएनआर 5 बिलियन। क्या आप बता सकते हैं कि - चरण 1 और चरण 2 पर 5 अरब रुपए का प्रावधान किस वजह से हुआ है? और दूसरी बात, कर की दरें बहुत नीचे हैं। तो अगर आप समझा सकते हैं कि क्या हुआ है? और अगर मैं एक और सवाल रख सकता हूं, तो प्रतिफल काफी स्थिर रहा है। लेकिन आरईसी से सहायक कंपनी, उस पर ब्याज में 50 आधार अंकों की कमी आई है। इसलिए यदि संभव हो तो आप कुछ प्रकाश डाल सकते हैं। मेरी ओर से बस, इतना ही।

प्रमिन्द्र चोपड़ा, पावर फाइनेंस कॉर्पोरेशन लिमिटेड - निदेशक (वित्त)

चरण 2 के प्रावधान के संबंध में आपने कहा, वहां 2 खाते हैं, भले ही वे चरण 3 खाते हैं, लेकिन उन्हें गैर-निष्पादित ऋण के रूप में घोषित करने के लिए सर्वोच्च न्यायालय से रोक लगा दी गई है। तो यह आईएनआर 1,700 करोड़ की राशि है। और इसके अलावा, वहाँ - आप जानते हैं कि चरण 2 के तहत, हमेशा अंदर और बाहर एक मूवमेंट रहा है। तो बड़ी राशि केवल इन ऋणों की ओर है।

पुनीत श्रीवास्तव, दाइवा सिक्योरिटीज कंपनी लिमिटेड

तो क्या यह आरकेएम की वजह से भी है? आरकेएम चरण 2 या 3 है?

नहीं, पीएफसी ने पहले ही चरण 3 के तहत आरकेएम की पहचान कर ली है।

पुनीत श्रीवास्तव, दाइवा सिक्योरिटीज कंपनी लिमिटेड

जी ठीक। और फिर कर की दर पर और प्रतिफल पक्ष पर?

प्रमिन्द्र चोपड़ा, पावर फाइनेंस कॉर्पोरेशन लिमिटेड - निदेशक (वित्त)

प्रतिफल पक्ष पर, आप जानते हैं कि पीएफसी ने ऋण देने के उद्देश्य से अपनी कार्ड दरों में कोई बदलाव नहीं किया है।

संचालक

देवियो और सज्जनो, प्रबंधन के लिए लाइन कट गई है। जब तक हम उन्हें फिर से कनेक्ट करते हैं, कृपया होल्ड करें। हमारे पास प्रबंधन के लिए लाइन फिर से जुड़ गई है। महोदया कृपया आगे बढ़ें ।

रविन्द्र सिंह ढिल्लों, पावर फाइनेंस कॉर्पोरेशन लिमिटेड - अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक

इसलिए पीएफसी ने संपत्ति पर अपनी प्रतिफल को लगभग 10.6% से 10.7% तक बनाए रखा है। और ऋण लेने की लागत कम हो गई है और ब्याज स्प्रेड और एनआईएम बढ़ गया है। आरईसी के संबंध में, हमने यह भी देखा है कि अचानक वृद्धि हुई है। इसलिए मुझे लगता है कि इसे आरईसी से सत्यापित किया जाना है।

पुनीत श्रीवास्तव, दाइवा सिक्योरिटीज कंपनी लिमिटेड

तो आपने कार्ड दरों के बारे में कहा। क्या आप कार्ड दरों पर कुछ छूट दे रहे हैं? और यदि आप समय के साथ उन छूटों को हटाने का इरादा रखते हैं? क्या यही कारण है?

रविन्द्र सिंह ढिल्लों, पावर फाइनेंस कॉर्पोरेशन लिमिटेड - अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक

हमारे संबंध में...

पुनीत श्रीवास्तव, दाइवा सिक्योरिटीज कंपनी लिमिटेड

हाँ। क्या आप अभी कार्ड दरों में छूट दे रहे हैं? और क्या आप समय के साथ उन छूटों को हटाने का इरादा रखते हैं?

रविन्द्र सिंह ढिल्लों, पावर फाइनेंस कॉर्पोरेशन लिमिटेड - अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक

नहीं। कुछ परियोजनाओं के लिए हमने छूट दी है और यह जारी रहेगी और कार्ड की दर, मुझे लगता है, 1 सितंबर से कम कर दी गई है।

प्रमिन्द्र चोपड़ा, पावर फाइनेंस कॉर्पोरेशन लिमिटेड - निदेशक (वित्त)

1 सितंबर से हमने हमारे कार्ड दरों को संशोधित किया।

रविन्द्र सिंह ढिल्लों, पावर फाइनेंस कॉर्पोरेशन लिमिटेड - अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक

हमने आपके कार्ड की दरें कम कर दी हैं ।

पुनीत श्रीवास्तव, दाइवा सिक्योरिटीज कंपनी लिमिटेड

ठीक है महोदय। और कर की दर वाले हिस्से पर आखिरी है।

प्रमिन्द्र चोपड़ा, पावर फाइनेंस कॉर्पोरेशन लिमिटेड - निदेशक (वित्त)

देखिए, टैक्स की दर, अगर आप जानते हैं कि, मुझे लगता है, अक्टूबर 2019 के पहले सप्ताह में केंद्र सरकार द्वारा कॉर्पोरेट टैक्स की दर में कमी की गई थी। तो 30 सितंबर को समाप्त होने वाले हमारे लेखों में शामिल कर की दर में कमी के साथ क्या होता है, आस्थगित कर परिसंपत्तियों का पुन: मापन किया गया है, जो लगभग 800 करोड़ रुपए की सीमा तक एक सकारात्मक आंकड़ा था। तो इसका प्रमुख कारण यह था कि कर की दर पर एक बड़ा प्रभाव पड़ा। तो यह पिछले साल था, 30 सितंबर 2019, कुल कर व्यय आईएनआर 1,129 करोड़ था जिसमें आईएनआर 459 करोड़ आस्थगित कर शामिल था। जबकि, चालू वित्त वर्ष में, बढ़े हुए आय आधार पर, हमारे पास वर्तमान कर का 1,000 करोड़ रुपए है और बढ़े हुए प्रावधान के कारण, लगभग 240 करोड़ रुपए के आस्थगित कर पर नकारात्मक प्रभाव पड़ा है। तो निवल कर व्यय लगभग 800 करोड़ रुपए है। यदि आप छमाही आधार पर तुलना करें तो कुल कर घटक में लगभग 300 करोड़ रुपए का अंतर है।

पुनीत श्रीवास्तव, दाइवा सिक्योरिटीज कंपनी लिमिटेड ।

और इसके अतिरिक्त, सामान्य कर की दर क्या होनी चाहिए? हमें सामान्यीकृत कर की दर क्या माननी चाहिए? मैं समझता हूं कि इस बार कुछ एकतरफा था। लेकिन इस साल, मान लीजिए, अगले 2,3 वर्ष, हमें किस तरह की कर दर माननी चाहिए?

प्रमिन्द्र चोपड़ा, पावर फाइनेंस कॉर्पोरेशन लिमिटेड - निदेशक (वित्त)

देखिए, यह विशेष तिमाही है कमोबेश यह एक सामान्यीकृत कर दर है। मौजूदा टैक्स को देखें तो यह सामान्य दर के आधार पर ही है, लेकिन यह करीब 18% से 20% तक आ रहा है। प्रत्येक तिमाही के अंत में आस्थगित कर परिसंपत्ति या देयता का पुनर्मूल्यांकन, पुनर्मूल्यांकन होता है, जो विभिन्न मापदंडों पर निर्भर करता है। जैसे यदि हमने अधिक प्रावधान किया है, तो कर के अंतर्गत लाभ भविष्य में पीएफसी को प्राप्त होगा। लेकिन निश्चित रूप से इसका नकारात्मक प्रभाव भी पड़ेगा। तो यह दर, आस्थगित कर केवल तिमाही आधार पर निकाला जाना है, लेकिन पीएफसी के लिए औसत कर दर लगभग 18% से 20% के आसपास रहने वाली है।

पुनीत श्रीवास्तव, दाइवा सिक्योरिटीज कंपनी लिमिटेड

क्षमा करें, आपने कितना कहा? यह स्पष्ट नहीं था ।

प्रमिन्द्र चोपड़ा, पावर फाइनेंस कॉर्पोरेशन लिमिटेड - निदेशक (वित्त)

18% से 20%

संचालक

अगला प्रश्न पीएनबी मेटलाइफ इंडिया के कयूर अशर की ओर से है।

कयूर अशर, पीएनबी मेटलाइफ इंडिया

हाँ। लिक्विडिटी योजना के तहत संवितरण में हम जिन चुनौतियों का सामना कर रहे हैं, उनके बारे में मेरा एक प्रश्न है। इसलिए मैं समझता हूं कि आपने सुधारों के बारे में उल्लेख किया है, लेकिन राज्य सरकार की गारंटी भी मुझे लगता है कि संवितरण के लिए पूर्व शर्त है। तो क्या वह कार्य ऑर्डर में है?

रविन्द्र सिंह ढिल्लों, पावर फाइनेंस कॉर्पोरेशन लिमिटेड - अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक

तो इस राज्य सरकार की गारंटी के साथ ट्रांच 1 के लिए भी आवश्यकता है। इसलिए जहां हमें केवल सरकारी गारंटी मिली है, वहां हम ट्रांच 1 का संवितरण कर रहे हैं।

कयूर अशर, पीएनबी मेटलाइफ इंडिया

ठीक महोदय। क्योंकि मैं समझता हूं कि हमारे पास बड़ी संख्या में संस्वीकृति हैं, लेकिन संवितरण उस स्तर पर नहीं हुआ है। और इसी तरह, कई विद्युत उत्पादकों के लिए भी प्राप्तियां बढ़ रही हैं। इसलिए मैं यह जानना चाहता था कि संवितरण में यह चुनौती क्यों है।

रविन्द्र सिंह ढिल्लों, पावर फाइनेंस कॉर्पोरेशन लिमिटेड - अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक

इसलिए क्योंकि वे अपने अलग-अलग राज्यों में चले गए हैं, राज्य सरकार की गारंटी प्राप्त करने के संबंध में छूट उनके वित्त विभाग में चली गई है। और कुछ राज्यों में हमने बजटीय प्रावधान भी मांगा है। तो उसके लिए भी उन्हें वित्त विभाग से संपर्क करना होगा। तो उसके और दस्तावेज़ीकरण के भी संबंध में, उन्हें कुछ अनुमोदन और दस्तावेज़ीकरण लेना पड़ता है, इसमें समय लग रहा है।

प्रमिन्द्र चोपड़ा, पावर फाइनेंस कॉर्पोरेशन लिमिटेड - निदेशक (वित्त)

और हमें चतुष्पक्षीय समझौते पर हस्ताक्षर करना है, सरकार या राज्य सरकार भी पार्टियों में से एक है। इसलिए इसमें समय लग रहा है।

रविन्द्र सिंह ढिल्लों, पावर फाइनेंस कॉर्पोरेशन लिमिटेड - अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक

लेकिन मुझे लगता है कि निकट भविष्य में, हमें तमिलनाडु को एक बड़ा हिस्सा संवितरित करने में सक्षम होना चाहिए।

कयूर अशर, पीएनबी मेटलाइफ इंडिया

ठीक महोदय। और महोदय, निश्चित - फिर से, विद्युत सेवाओं के संबंध में, आपने देरी को देखते हुए त्रिपक्षीय समझौते को लागू करने की संभावना के बारे में संकेत दिया है। तो क्या आप बड़े पैमाने पर किसी संभावना, ऐसी किसी संभावना की परिकल्पना करते हैं?

रविन्द्र सिंह ढिल्लों, पावर फाइनेंस कॉर्पोरेशन लिमिटेड - अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक

कौन सा त्रिपक्षीय समझौता?

कयूर अशर, पीएनबी मेटलाइफ इंडिया

तो विद्युत उत्पादकों के लिए, राज्यों और आरबीआई के साथ त्रिपक्षीय समझौते में देरी के कारण

रविन्द्र सिंह ढिल्लों, पावर फाइनेंस कॉर्पोरेशन लिमिटेड - अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक

यह सीपीएसयू और कुछ राज्यों और एनटीपीसी नवीकरणीय परियोजनाओं के संबंध में है। इसलिए मुझे नहीं लगता कि इस संबंध में बहुत अधिक बकाया हैं।

प्रमिन्द्र चोपड़ा, पावर फाइनेंस कॉर्पोरेशन लिमिटेड - निदेशक (वित्त)

और लिक्विडिटी इंफ्यूजन के साथ, सीपीएसयू उत्पादक कंपनियों और ट्रांसमिशन के अधिकांश बकाया राशि का परिसमापन हो रहा है।

कयूर अशर, पीएनबी मेटलाइफ इंडिया

और एक आखिरी स्पष्टीकरण लेखा प्रश्न। तो आपने कुछ राज्यों 2 परिसंपत्तियों के बारे में उल्लेख किया है, जिन्हें व्यवस्था के कारण चरण 3 के रूप में वर्गीकृत नहीं किया गया है। तो मात्रा क्या थी?

प्रमिन्द्र चोपड़ा, पावर फाइनेंस कॉर्पोरेशन लिमिटेड - निदेशक (वित्त)

मात्रा लगभग आईएनआर 1,700 करोड़ थी ।

कयूर अशर, पीएनबी मेटलाइफ इंडिया।

तो यह हमारे द्वारा किए गए एनपीए के 26,000 करोड़ रुपए के तहत परिलक्षित नहीं हो रहा है?

प्रमिन्द्र चोपड़ा, पावर फाइनेंस कॉर्पोरेशन लिमिटेड - निदेशक (वित्त)

ठीक । यह चरण 2 पर परिलक्षित हो रहा है ।

संचालक

अगला प्रश्न माइटेंपल कैपिटल से आदित्य मुंद्रा की ओर से है।

आदित्य मुंद्रा , माइटेंपल कैपिटल

महोदय, निजी क्षेत्र में चरण 2 की परिसंपत्ति की मात्रा क्या है?

चरण 2 की परिसंपत्ति का 14% चरण 2 के तहत वर्गीकृत किया गया है।

आदित्य मुंद्रा, माइटेंपल कैपिटल

ठीक महोदय। और वास्तव में, चरण 2 की कुल मात्रा कितनी होगी? क्योंकि, मेरा मानना है कि यह चरण 1 और 2 को मिलाकर भी नहीं है?

प्रमिन्द्र चोपड़ा, पावर फाइनेंस कॉर्पोरेशन लिमिटेड - निदेशक (वित्त)

हाँ। यह चरण 1 और चरण 2 को मिलाकर बनाया गया है।

आदित्य मुंद्रा, माईटेम्पल कैपिटल

तो 34,614 करोड़ रुपए में से 14% चरण 2 होगा?

प्रमिन्द्र चोपड़ा, पावर फाइनेंस कॉर्पोरेशन लिमिटेड - निदेशक (वित्त)

हाँ।

आदित्य मुंद्रा, माईटेम्पल कैपिटल

क्या मैं सही हूँ? जी ठीक ।

प्रमिन्द्र चोपड़ा, पावर फाइनेंस कॉर्पोरेशन लिमिटेड - निदेशक (वित्त)

हाँ।

आदित्य मुंद्रा, माईटेम्पल कैपिटल

जी महोदया। और कोई सार्वजनिक क्षेत्र का ऋण, जो चरण 2 में है?

प्रमिन्द्र चोपड़ा, पावर फाइनेंस कॉर्पोरेशन लिमिटेड - निदेशक (वित्त)

देखिए, कुछ ऐसे हैं यानी 1 या 2 ऋण जहां भुगतान में देरी हुई है। लेकिन आप जानते हैं कि राज्य क्षेत्र में आमतौर पर ऐसा होता है, कुछ देरी होती है, लेकिन कुछ समय बाद, हम भुगतान प्राप्त करने में सक्षम होते हैं। तो अभी, चरण 2 के तहत अब नहीं हैं, जो कि 30 सितंबर को था ।

आदित्य मुंद्रा, माईटेम्पल कैपिटल

जी ठीक। और फिर इस तिमाही में जो नई संस्वीकृतियां दी गई हैं, उनमें से कितना प्रतिशत उत्पादन, वितरण और प्रसारण का होगा?

प्रमिन्द्र चोपड़ा, पावर फाइनेंस कॉर्पोरेशन लिमिटेड - निदेशक (वित्त)

संस्वीकृति?

आदित्य मुंद्रा, माईटेम्पल कैपिटल

हाँ।

रविन्द्र सिंह ढिल्लों, पावर फाइनेंस कॉर्पोरेशन लिमिटेड - अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक

तो छमाही में, वि.व. '21 की पहली छमाही, तो 47% उत्पादन में और 7% ट्रांसमिशन, और वितरण में 45% है।

आदित्य मुंद्रा, माईटेम्पल कैपिटल

हाँ। ठीक है। और उस 47% में से नवीकरणीय और तापीय वितरण और उत्पादन कितना होगा, उसका ब्रेकअप?

रविन्द्र सिंह ढिल्लों, पावर फाइनेंस कॉर्पोरेशन लिमिटेड - अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक

हमारे पास ये आंकड़ें आ जाएंगे ।

आदित्य मुंद्रा, माईटेम्पल कैपिटल

जी महोदय। लेकिन मोटे तौर पर भी, लेकिन यह अधिक थर्मल है, यह थर्मल या नवीकरणीय मोटे तौर पर या पीढ़ी के प्रति अधिक पक्षपाती है?

रविन्द्र सिंह ढिल्लों, पावर फाइनेंस कॉर्पोरेशन लिमिटेड - अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक

नहीं, थर्मल भी होगा क्योंकि हमने थर्मल परियोजना को पुनर्वित्त किया था और उसमें प्रमुख संवितरण किया गया है और पर्यावरण दिशानिर्देशों के लिए उत्पादन परियोजनाओं के तहत कुछ एफजीडी परियोजनाएं हैं। इसलिए प्रमुख नवीनीकरणों के दौरान, जो हमने संस्वीकृत किया है, वह है हमारी (अश्रव्य) अदानी ग्रीन, एसीएमई, अल्फानार को स्थानांतरित करना। इसलिए हमने जिन परियोजनाओं को मंजूरी दी है - हम आपको आंकड़े देंगे। यह लगभग आईएनआर 15,000 करोड़ होना चाहिए।

आदित्य मुंद्रा, माईटेम्पल कैपिटल

जी ठीक। और फिर क्या कोई आंतरिक लक्ष्य है - क्षमा करें, आप कुछ कह रहे थे।

रविन्द्र सिंह ढिल्लों, पावर फाइनेंस कॉर्पोरेशन लिमिटेड - अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक

एक मिनट रुकिए।

प्रमिन्द्र चोपड़ा, पावर फाइनेंस कॉर्पोरेशन लिमिटेड - निदेशक (वित्त)

और कुल प्रतिबंधों में से, आईएनआर 26,000 करोड़ नवीकरणीय ऊर्जा के लिए है।

आदित्य मुंद्रा, माईटेम्पल कैपिटल

अच्छा जी। एच1 वित्तीय वर्ष '21 के लिए स्वीकृत। और महोदय, हमारा कोई आंतरिक लक्ष्य है कि आगे जाकर पुस्तक का इतना प्रतिशत अक्षय ऊर्जा की ओर होगा? क्या अगले कुछ वर्षों में इसके लिए कोई आंतरिक लक्ष्य है?

रविन्द्र सिंह ढिल्लों, पावर फाइनेंस कॉर्पोरेशन लिमिटेड - अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक

हम नवीकरणीय परियोजनाओं पर ध्यान केंद्रित कर रहे हैं और उत्पादन के संबंध में, अब केवल नवीकरणीय परियोजनाएं आ रही हैं। तो आगे जाकर, बड़ा हिस्सा केवल नवीकरणीय होगा।

संचालक

अगला प्रश्न विंडएकर पार्टनरशिप के एंड्रयू लुंडस्ट्रॉम की ओर से है।

एंड्र्यू लुंडस्ट्रॉम, द विंडएकर पार्टनरशिप एलएलसी

मैं पीएफसी और आरईसी के बीच संबंध के बारे में पूछना चाहता था। यह कैसे बदल रहा है? और आप किस तालमेल की उम्मीद करते हैं, जैसा कि आप प्रस्तुति के स्लाइड 4 पर ध्यान देते हैं?

रविन्द्र सिंह ढिल्लों, पावर फाइनेंस कॉर्पोरेशन लिमिटेड - अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक

इसलिए हमने मार्च 2019 में आरईसी का अधिग्रहण किया है। और हमने इस समय तालमेल हासिल करने के लिए काम किया है। दरअसल, हमने विभिन्न फंडों पर अपनी नीतियों को संरेखित किया है। और नई नीतियों के संबंध में, हमारे पास यह परियोजना-विशिष्ट वित्त पोषण, डिस्कॉम को वचन पत्र और बिल भुगतान सुविधा विकसित करने का पत्र है। इसलिए हमने आरईसी के साथ सहयोग किया है और इन नई नीतियों को निकाला है। और इसी तरह, आगे चलकर, इसी तरह की परियोजनाओं के संबंध में हमारी ब्याज दरें भी समान हैं और हमारी टीमें मिलकर काम कर रही हैं। रेटिंग के संबंध में, रेटिंग पद्धति, उत्पादन और पारेषण परियोजनाओं के लिए, हम एक दूसरे की रेटिंग को स्वीकार कर रहे हैं और ताकि रेटिंग अभ्यास का दोहराव न हो। और फिर राज्य और निजी क्षेत्र परियोजनाओं के लिए ऋण लेते हैं, हम सह-ऋण दे रहे हैं और हमारे नियमों और शर्तों को संरेखित कर रहे हैं। इसलिए हम इस संबंध में प्रयास कर रहे हैं और साथ ही हम संयुक्त रूप से दबावग्रस्त संपत्तियों को हल करने का प्रयास कर रहे हैं जहां हम सह-ऋणदाता हैं। इसलिए आगे बढ़ते हुए, हमें इन प्रक्रियाओं में सामंजस्य स्थापित करने में सक्षम होना चाहिए और बड़े पैमाने की लागत को प्राप्त करने में सक्षम होना चाहिए। इसलिए यह एक सतत कार्य है और हम इस पर आगे काम करने की योजना बना रहे हैं।

एंड्र्यू लुंडस्ट्रॉम, द विंडएकर पार्टनरशिप एलएलसी

जी ठीक। बड़े पैमाने की लागत का क्या लाभ है? क्या कोई मात्रा या अनुमान है कि आप क्या कैप्चर कर सकते हैं?

रविन्द्र सिंह ढिल्लों, पावर फाइनेंस कॉर्पोरेशन लिमिटेड - अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक

इसलिए अभी इसका आंकलन करना मुश्किल है।

एंड्र्यू लुंडस्ट्रॉम, द विंडएकर पार्टनरशिप एलएलसी

क्या आरईसी या बैंकों के संबंध में प्रतिस्पर्धी माहौल अलग है?

प्रमिन्द्र चोपड़ा, पावर फाइनेंस कॉर्पोरेशन लिमिटेड - निदेशक (वित्त)

देखिएं आरईसी, हम उनके साथ काम कर रहे हैं और ज्यादातर मामलों में, हम मूल रूप से खुद को संरेखित करने की कोशिश कर रहे हैं और बिजली परियोजना की फंडिंग 50-50 तरह से कर रहे हैं। लिक्विडिटी पैकेज की तरह, हम 50% की संस्वीकृति और संवितरण कर रहे हैं। लिक्विडिटी योजनाओं के अलावा, हम व्यवसाय को साझा करने के लिए एक आम सहमति दर हासिल करने की कोशिश कर रहे हैं। इसलिए हम बैंकों के साथ रहने की कोशिश कर रहे हैं। बैंक प्रमुख रूप से ऋणों के पुनर्वित्त में हैं। लेकिन पीएफसी और आरईसी मुख्य रूप से प्रारंभिक चरण में हैं और निर्माण चरण के तहत भी परियोजना के वित्तपोषण के लिए जाते हैं।

एंड्रयू लुंडस्ट्रॉम, द विंडएकर पार्टनरशिप एलएलसी

क्या आपको लगता है कि भविष्य में किसी बिंदु पर आपकी कर की दर कभी भी कॉर्पोरेट 25% पर वापस जाएगी?

प्रमिन्द्र चोपड़ा, पावर फाइनेंस कॉर्पोरेशन लिमिटेड - निदेशक (वित्त)

यह सब सरकार की नीतियों पर निर्भर करेगा। भारत सरकार द्वारा कॉर्पोरेट कर की दर की घोषणा की जाती है। फिर हम एक बुनियादी ढांचा वित्तपोषण कंपनी होने के नाते, हमें विशेष भंडार आदि के लिए कुछ छूट दी गई है। इसलिए हमारी प्रभावी दर आसपास काम कर रही है, जैसा कि मैंने पहले बताया, 18% से 20% के बीच, उन लाभों के आधार पर भंडार। तो यह कहना कि ऐसा ही रहेगा, यह सब भारत सरकार की नीति पर निर्भर करेगा।

संचालक

अगला प्रश्न इक्विरस सिक्योरिटीज के रोहन मंडोरा की ओर से है ।

रोहन मंडोरा, इक्विरस सिक्योरिटीज प्राइवेट लिमिटेड

मैं सिर्फ यह समझना चाहता हूं कि चरण 2 निजी क्षेत्र में, 14% जो आपने इंगित किया था, जिसमें आईएनआर 1,700 करोड़ के डिफ़ॉल्ट पैकेज शामिल हैं। और यदि आप यह भी बता सकते हैं कि ये 2 खाते कौन से हैं? और उन पर वर्तमान स्थिति क्या है? हम चालू हैं या नहीं?

प्रमिन्द्र चोपड़ा, पावर फाइनेंस कॉर्पोरेशन लिमिटेड - निदेशक (वित्त)

देखिए, सुप्रीम कोर्ट के आदेश के चलते हमें खुलासा नहीं करना है। लेकिन जैसा कि हमने आपको पहले ही सूचित किया है कि चरण 2 में लगभग आईएनआर 1,700 करोड़ की संपत्ति है, जो वास्तव में कुल आईएनआर 2,300 करोड़ में से चरण 3 की संपत्ति है, जैसा कि आपने कहा।

रोहन मंडोरा, इक्विरस सिक्योरिटीज प्राइवेट लिमिटेड

ज़रूर। और क्या ये 2 निर्माणाधीन परियोजनाएं होंगी या आंशिक रूप से चालू होंगी? उस पर कोई टिप्पणी देना चाहेंगे?

प्रमिन्द्र चोपड़ा, पावर फाइनेंस कॉर्पोरेशन लिमिटेड - निदेशक (वित्त)

ये निर्माणाधीन परियोजनाएं हैं।

रोहन मंडोरा, इक्विरस सिक्योरिटीज प्राइवेट लिमिटेड

निर्माणाधीन परियोजनाओं, ठीक है। और एक और बात, नवीकरण परियोजना के संदर्भ में, जिसे आप विशेष रूप से संस्वीकृति दे रहे हैं, वर्तमान में इस सवाल में है कि आपके लिए प्रतिस्पर्धी के रूप में अन्य सभी ऋणदाता कौन हैं और अक्षय परियोजना को उधार देने में सक्रिय हैं?

रविन्द्र सिंह ढिल्लों, पावर फाइनेंस कॉर्पोरेशन लिमिटेड - अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक

इसलिए हमने आपके साथ पहले ही साझा किया है कि हमने हाल ही में किन परियोजनाओं को संस्वीकृति दी है। कंसोर्शियम के सदस्य आरईसी और इरेडा है ।

प्रमिन्द्र चोपड़ा, पावर फाइनेंस कॉर्पोरेशन लिमिटेड - निदेशक (वित्त)

एसबीआई सक्रिय रूप से भाग ले रहा है।

रविन्द्र सिंह ढिल्लों, पावर फाइनेंस कॉर्पोरेशन लिमिटेड - अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक

पीएफएस, आईआईएफसीएल।

प्रमिन्द्र चोपड़ा, पावर फाइनेंस कॉर्पोरेशन लिमिटेड - निदेशक (वित्त)

तो ये सभी इंफ्रास्ट्रक्चर, आप जानते हैं कि रिन्यूएबल फंडिंग अब बाजार में है। इसलिए बैंक एक्सपोजर ले रहे हैं। पीएफसी, आरईसी के अलावा इरेडा है, पीएफएस, आईआईएफसीएल है।

रविन्द्र सिंह ढिल्लों, पावर फाइनेंस कॉर्पोरेशन लिमिटेड - अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक

इसलिए इन परियोजनाओं के लिए, यदि ऋण जोखिम लगभग 2,000 करोड़ रुपए है, तो हम एकमात्र ऋणदाता हैं। हम इस पूरे ऋण को लेने की कोशिश करते हैं। तो उस स्तर तक, हमारे पास कोई कंसोर्शियम संख्या नहीं होगी। लेकिन अगर परियोजना इससे बड़ी है, तो हमारे पास कुछ कंसोर्शियम सदस्य हो सकते हैं। लेकिन आरईसी के संबंध में, जैसा कि मैं कह रहा था, हम एक निजी क्षेत्र की परियोजना के लिए उनके साथ संस्वीकृतियों और संवितरणों को साझा करने का प्रयास कर रहे हैं।

संचालक

अगला प्रश्न एचडीएफसी म्यूचुअल फंड के आनंद लड्ढा की ओर से है।

आनंद ए. लद्दा, एचडीएफसी एसेट मैनेजमेंट कंपनी लिमिटेड

मेरी तरफ से एक दो सवाल महोदय। मैं सिर्फ यह समझना चाहता था कि संवितरण के संदर्भ में, पूरे वर्ष के लिए ऋण वृद्धि का दृष्टिकोण क्या है, हम कितना देख रहे हैं, हमारा आंतरिक लक्ष्य क्या है और ऋण वृद्धि पर क्या है?

रविन्द्र सिंह ढिल्लों, पावर फाइनेंस कॉर्पोरेशन लिमिटेड - अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक

इसलिए आगे बढ़ते हुए, जैसा कि मैं आपको संकेत दे रहा था, परियोजना के संबंध में, पिछले वर्ष की तुलना में मुझे लगता है कि फंडिंग कम होगी, लेकिन आत्मनिर्भर के आने से हम पिछले वर्ष के स्तर को बनाए रखने में सक्षम होंगे और शायद उससे थोड़ा अधिक ।

आनंद ए. लद्दा, एचडीएफसी एसेट मैनेजमेंट कंपनी लिमिटेड

इसलिए पिछले साल, हमने 10% ऋण वृद्धि दर्ज की। महोदय, पिछले वर्ष हमने 10% ऋण वृद्धि की थी और चालू वर्ष में डिस्कॉम लिक्विडिटी पैकेज के कारण, क्या हम ऋण वृद्धि लगभग 15% से 20% होने की उम्मीद करते हैं?

रविन्द्र सिंह ढिल्लों, पावर फाइनेंस कॉर्पोरेशन लिमिटेड - अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक

इसलिए हम उम्मीद करते हैं कि यह लगभग 12% से 15% के बीच होगा।

आनंद ए. लद्दा, एचडीएफसी एसेट मैनेजमेंट कंपनी लिमिटेड

जी ठीक। और महोदय, डिस्कॉम लिक्विडिटी पैकेज के तहत, अब तक कितना संस्वीकृत और संवितरण किया गया है? और हम 31 मार्च तक अतिरिक्त संस्वीकृत संवितरण की कितनी उम्मीद करते हैं?

रविन्द्र सिंह ढिल्लों, पावर फाइनेंस कॉर्पोरेशन लिमिटेड - अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक

इसलिए जैसा कि हमने पहले ही संकेत दिया है, पीएफसी और आरईसी ने मिलकर 1.18 लाख करोड़ रुपए संस्वीकृत किए हैं। और उसमें पीएफ़सी का योगदान 59,000 करोड़ रुपए है। और, पीएफसी और आरईसी ने एक साथ 31,000 करोड़ रुपए का संवितरण किया है, और पीएफसी का योगदान 14,000 करोड़ रुपए है। इसके अतिरिक्त, हम सोचते हैं कि ट्रांच 1, हम संभवतः दिसंबर तक राज्यों के लिए पूरी तरह से संवितरण करने में सक्षम होने चाहिए। और कुछ हिस्सा, एक बड़ा हिस्सा, शायद ट्रांच 2 में भी।

आनंद ए. लद्दा, एचडीएफसी एसेट मैनेजमेंट कंपनी लिमिटेड

महोदय, इसमें से 1.18 लाख करोड़ रुपए संस्वीकृत किए गए थे, ट्रांच 1 कितना है?

रविन्द्र सिंह ढिल्लों, पावर फाइनेंस कॉर्पोरेशन लिमिटेड - अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक

50% ट्रांच 1 होगी।

आनंद ए. लद्दा, एचडीएफसी एसेट मैनेजमेंट कंपनी लिमिटेड

जी ठीक। और आपने कहा कि अब तक पीएफसी और आरईसी दोनों ने कुल 31,000 करोड़ रुपए का संवितरण किया है। जी ठीक है। उसमें से आधी राशि आपके द्वारा संवितरित कर दी गई है?

रविन्द्र सिंह ढिल्लों, पावर फाइनेंस कॉर्पोरेशन लिमिटेड - अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक

नहीं, एक राज्य में, आरईसी ने संवितरण किया है और हमने संवितरण नहीं किया है। तो वहां हमारा योगदान 14,000 करोड़ रुपए है। तो यह बिल्कुल आधा नहीं है।

आनंद ए. लद्दा, एचडीएफसी एसेट मैनेजमेंट कंपनी लिमिटेड

जी ठीक। और इस रुके हुए खाते पर, आईएनआर 1,700 करोड़ का एक्सपोजर, जो सुप्रीम कोर्ट के आदेश के कारण रुका हुआ है, यह खाता, क्या यह केवल ठप है या यह केवल लिक्विडिटी के मुद्दे के कारण समस्या का सामना कर रहा है? या इस परियोजना में कुछ समस्या है?

प्रमिन्द्र चोपड़ा, पावर फाइनेंस कॉर्पोरेशन लिमिटेड - निदेशक (वित्त)

देखिए, उन पर संबंधित राज्य सरकार के साथ मुकदमे चल रहे हैं, यही मामला है। इसलिए सुप्रीम कोर्ट ने ऐसे आदेश दिए हैं।

आनंद ए. लद्दा, एचडीएफसी एसेट मैनेजमेंट कंपनी लिमिटेड

और आरईसी के साथ एक ऐसी ही परियोजना थी, जिसे इस तिमाही में अपग्रेड किया गया था, जो पिछली तिमाही में एनपीए थी। यह टीआरएन एनर्जी थी, मुझे ऐसा लगता है। तो क्या यह वही एक्सपोजर है जिसका हम सामना कर रहे हैं, जिसका हम सामना कर रहे हैं?

प्रमिन्द्र चोपड़ा, पावर फाइनेंस कॉर्पोरेशन लिमिटेड - निदेशक (वित्त)

नहीं, नहीं, ऐसा नहीं है। पीएफसी के मामले में, टीआरएन एक मानक खाता है।

संचालक

समय की कमी के कारण, हम रेयर एंटरप्राइजेज से प्रणव तेंदुलकर की ओर से अंतिम प्रश्न लेंगे।

प्रणव तेंदुलकर, रेयर इंटरप्राइजेज

महोदय, चरण 1 और चरण 2 प्राइवेट के लगभग 34,000 करोड़ रुपए में से, पूर्ण, निर्माणाधीन, और आधी चालू परियोजना की तुलना में और उसके संबंध में क्या स्थिति है?

प्रमिन्द्र चोपड़ा, पावर फाइनेंस कॉर्पोरेशन लिमिटेड - निदेशक (वित्त)

देखें, चरण 1 की परिसंपत्तियां मानक परिसंपत्तियां हैं।

रविन्द्र सिंह ढिल्लों, पावर फाइनेंस कॉर्पोरेशन लिमिटेड - अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक

निजी चरण 1 और चरण 2 लगभग 34,000 करोड़ रुपए है।

प्रमिन्द्र चोपड़ा, पावर फाइनेंस कॉर्पोरेशन लिमिटेड - निदेशक (वित्त)

देखिए, हम इस संबंध में आपके साथ अलग से डाटा साझा कर सकते हैं ।

प्रणव तेंदुलकर, रेयर इंटरप्राइजेज

जी ठीक । तो निजी क्षेत्र के उस 34,614 करोड़ रुपए में से, मेरा मानना है कि आपने कहा था कि चरण 2 लगभग 1,300 करोड़ रुपए है?

प्रमिन्द्र चोपड़ा, पावर फाइनेंस कॉर्पोरेशन लिमिटेड - निदेशक (वित्त)

फिर से दोहराएं?

प्रणव तेंदुलकर, रेयर इंटरप्राइजेज

तो निजी क्षेत्र के एक्सपोजर में से, जो मानक है, चरण 1 और चरण 2 कुल आईएनआर 34,614 है। चरण 2 कितने में से है? मुझे ध्यान है कि आपने संख्या का उल्लेख किया है, लेकिन मैं उस संख्या से चूक गया?

प्रमिन्द्र चोपड़ा, पावर फाइनेंस कॉर्पोरेशन लिमिटेड - निदेशक (वित्त)

निजी क्षेत्र में चरण 2 की परिसंपत्ति के लगभग 2,300 करोड़ रुपए हैं।

प्रणव तेंदुलकर, रेयर इंटरप्राइजेज

जी महोदय । मानक के बिना?

प्रमिन्द्र चोपड़ा, पावर फाइनेंस कॉर्पोरेशन लिमिटेड - निदेशक (वित्त)

हां।

संचालक

अब मैं प्रबंधन को उनकी समापन टिप्पणियों के लिए सम्मेलन सौंपता हूं।

रविन्द्र सिंह ढिल्लों, पावर फाइनेंस कॉर्पोरेशन लिमिटेड - अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक

अब हम सभी निवेशकों के साथ इस बातचीत के लिए बहुत आभारी हैं। और आगे देखते हुए कि यह है - जैसा कि हमने संकेत दिया है कि हमने अच्छे परिणाम दिए हैं और हम उम्मीद करते हैं, आगे भी हम ऐसा करना जारी रखेंगे। और यदि कोई और प्रश्न हैं, तो आप हमें ई-मेल कर सकते हैं और फिर हम उसका उत्तर देंगे।

संचालक

धन्यवाद। देवियो और सज्जनो, प्रभुदास लीलाधर की ओर से, आज के इस सम्मेलन का समापन करते हैं। हमसे जुड़ने के लिए धन्यवाद और अब आप अपनी लाइनें काट सकते हैं।

***